

SHRI NAWAL KISHORE SINHA It may not be customary for the Government of India to verify statements made by ambassadors to newspapers in other countries, but is it customary for Government to contradict such a statement and explain our position reiterating our adherence to the Simla Agreement and the steps we have taken to implement it?

SHRI SWARAN SINGH The essence of the statement was the possibility of a renewed war between the two nations. I do not know how it could be contradicted except to say that it is against the Simla Agreement. We are making so many statements every day to say that we want that the Agreement should be implemented.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी अध्यक्ष जी अभी विदेश मंत्री महाशय न बड़ा कि अमरीका से कोई सीधे हथियार पाकिस्तान को नहीं जा रहे हैं। क्या यह मत है कि अमरीका जिन देशों का हथियार दे रहा है उदाहरण के लिए तुर्की, जार्डन, ईरान वे देश अमरीका से मिलने हुए हथियार का वस्त्र पैमाने पर पकितान को दे रहे हैं ?

SHRI SWARAN SINGH We have some information that Pakistan does get some military equipment from Iran and also from Turkey—I am not quite sure about Jordan. From Turkey it was mostly small arms and ammunition manufactured in Turkey itself. From Iran they can get arms—there is no doubt about it.

SHRI PRIYA RANJAN DAS MUNSI The question is very simple. If it is true that the ambassador has made the statement it is contrary to the Simla Agreement. May I know whether the Minister has already written or made an appeal to the Pakistan President in view of this statement? If so, what is his reply?

SHRI SWARAN SINGH No we have not taken up this particular

statement with the Pakistan President, and it is not necessary to do so.

शिक्षित बरोजगार व्यक्तियों को बरोजगारी भत्ता
+

* 142 श्री धनशाह प्रधान :

श्री अरविन्द नेतलम :

क्या अन्न और पुनर्वास मन्त्रा यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार के विचाराधीन ऐसा कोई प्रश्न है जिसके द्वारा शिक्षित बरोजगार व्यक्तियों का बरोजगार भत्ता दिया जा सके, और

(ख) यदि हा तो उसकी मध्यम व न क्या है ?

अन्न और पुनर्वास मन्त्रालय में उप मंत्री (श्री बालगोविन्द वर्मा) (र) जी नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

श्री धनशाह प्रधान माननीय अध्यक्ष महाशय आपके माध्यम से मैं जानना चाहता हूँ क्या कोई एमी गार्न्टी देने का प्रश्न सरकार के विचाराधीन है कि शिक्षित बरोजगारों को एक निश्चित अवधि में नौकरा दे दी जायगी ?

अध्यक्ष महोदय इसी का जवाब तो उन्होंने दिया।

श्री बालगोविन्द वर्मा अभी ऐसी कोई योजना सरकार के विचाराधीन नहीं है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : क्यों नहीं है ?

श्री बालगोविन्द वर्मा : क्योंकि अभी तक इस बात का अन्दाजा नहीं है कि कितना पैसा इसमें खर्च होगा। दूसरे कितने लोग अनएम्प्लायड हैं इस सम्बन्ध में हम अच्छी प्रकार से किसी नतीज पर नहीं पहुँच सके हैं। कई दफा चर्चा हुई, दानवाला कमेटी भी बैठी लेकिन कोई निश्चिन्त मत नहीं निकाला जा सका और इस प्रकार में आज हम नहीं कह सकते कि अभी तक कितने लोग ऐसे हैं जो बेरोजगार हैं (ध्वजबान)

अध्यक्ष महोदय आप हा हा बही कहिये। आप ऐसी बातें करोगे तो बड़ा भारी भाषण बन जायेगा। इस तरह में आप खुद डडव इस करते हैं।

श्री बालगोविन्द वर्मा वह तो मैंने इतनाकर कर दिया है कि कोई योजना विचाराधीन नहीं है।

श्री धनशाह प्रधान : क्या सरकार इस बात पर विचार करेगी कि बेरोजगार शिक्षित व्यक्तियों के आवदन पत्रों पर कोई शुल्क न लिया जाये तथा इंटरव्यू में आने जाने के लिये भत्ता दिया जाये ?

श्री बालगोविन्द वर्मा यह मानीय सदस्य का सुझाव है। . . (ध्वजबान) . सरकार विचार करे या न करे उन्होंने यह सुझाव दिया है।

SHRI INDER J. MALHOTRA The hon. Minister says that there is no proposal for giving unemployment relief to persons. May I know whether there are certain other schemes under consideration of the Government to give them some kind of assistance or relief till the time they get employment.

MR. SPEAKER This relates only to factual information.

SHRI INDER J. MALHOTRA : There are so many other things.

SHRI BALGOVIND VERMA : There was a proposal of selective unemployment insurance for the workers and it was decided that this scheme should be taken up in so far as the workers who have joined the Employees' Provident Fund Scheme and Coalmines Provident Fund Scheme are concerned. In the meantime one expert suggested that this scheme should first of all apply to workers of the Coalmines Provident Fund. A scheme was drawn up which was transmitted to the various Ministries and their Comments were received and examined. In the meantime the recommendations of the National Commission on Labour were received.

MR. SPEAKER Next Question

SHRI PILOO MODY I have a question to ask. Is unemployment so unimportant a problem that it does not warrant even a supplementary?

MR. SPEAKER The other day I allowed about half an hour on this question.

श्री हुकम चन्द कछवाय अभी तो यह सवाल शुरू हुआ है। केवल धनशाह प्रधान जी ने पूछा है और मलहोत्रा जी ने पूछा है। केवल दो व्यक्तियों ने इस पर सवाल किए हैं। (ध्वजबान) . . यह बड़ा महत्वपूर्ण सवाल है।

SHRI A. P. SHARMA This is a very important question. Kindly allow some more supplementaries.

MR. SPEAKER : The question was whether there was any scheme; he said no. Many other things are brought in.

SHRI PILOO MODY I have an important supplementary arising out of his reply, 'No'.

श्री हुकम चन्द कश्यप अध्यक्ष महोदय सारे देश में बेरोजगारी फैली हुई है। यह साल बड़े महत्व का है, इसको आप टालिये मत। ... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय मिनिस्टर को हा या नहीं में जवाब देना चाहिए। वह उसमें बस बातें और जोड़ देते हैं जिससे मेरी मुश्किल बढ़ जाती है। पहले सवाल में पाकिस्तानी एम्बेसेडर के एन्टर्व्यू के साथ-साथ ग्रामर्ड सन्वाई का सवाल आ गया। इसमें भी इश्योरेन्स स्कीम वर्गैरह की बातें आ गई। (व्यवधान).....

He should say no, or yes. If he wants he can give a little information in the reply. But when he replies no does not arise nothing further arises.

मिनिस्टर साहब का उसे इलैबोरेट इतना करके बड़ा बनाना इस तरह से मनासिब नहीं था।

SHRI PILOO MODY In reply to the question whether Government has any proposal to give unemployment allowance, the minister said No. In reply to the question whether there are any schemes for employing these people the answer is no. I would like to ask whether they have any plan to meet the need of these people and to mitigate the hardship of those who have been left unemployed because of the economic policies of the Government.

SHRI BALGOVIND VERMA The hon member knows that ever since the planning process started in 1951 in this country, the Government of India has made every effort to give employment to as many persons as possible. If he goes through the fourth Plan, he will find that various schemes have been formulated to give employment to unemployed persons.

SHRI PILOO MODY If he goes through the fourth Plan, he will find that unemployment has increased in this country.

SHRI A P SHARMA Does the minister know that it is the primary responsibility of the Government to find employment for those who are unemployed and that in most countries of the world those who are not employed are given unemployment assistance called subsistence allowance? Does he propose to have such a scheme in our country?

The MINISTER OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI R. K. KHADILKAR) I do recognise the anxiety of hon members to see that some effort is made to provide employment to those who are unfortunately out of employment. But they should bear in mind the financial implications. Planned effort is made to generate employment. If the hon member who talked about policies of Government cares to look at our Plans he would have to reconcile himself to the fact that during these three Plans and part of the fourth Plan we have created sizeable employment opportunities. Of course the magnitude of the problem is so vast and I cannot just promise that everyone who is unemployed will get employment.

श्री हुकम चन्द कश्यप मैं अध्यक्ष महोदय, आप के माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि 1971 में वजट सेशन के समय लोक सभा में 70 करोड़ रुपया लोभा को राजगार दिलाने के लिए रखा था। मंत्री महोदय ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार दिलाने की कोई योजना हमारे सामने नहीं है। श्री मूल प्रश्न के उत्तर में मंत्री महोदय ने कहा है जो नहीं।

प्रश्न नहीं उठता। जब इस साल के बजट सेशन में धारणा 25 (?) करीब क या रक्का है तो मेरा कृता है कि जब आप के सामने कोई रोजगार दिलाने की योजना नहीं है तो वह जो रूपा रूपा है वह किस अ धार पर रूपा रूपा है। वह रूपा रूपा नहीं हं ता और वह सैस हो जाता है। जब आप के सामने कोई योजना नहीं है तो मंत्री महोदय यह रूपा रूपा क्यों बजट में रखते हैं और उस रूपा को क्यों नहीं जो बेरोजगार लोग है उन में बांट दिया जाता ?

श्री आरक्षीविद्युत वर्मा मने गिसा कबी मही कहा कि हमारे सामने कोई योजना नहीं है। अलबत्ता मूल प्रश्न में जो शिक्षित बेरोजगार रूपा रूपा को बेरोजगारी भसा रूपा रूपा के बारे में पूछा गया था उस के उत्तर में मने कहा था कि बी मही। बाकी जहा तक बेरोजगार लोगो को काम दिलाने का ताल्लुक है उसके लिए हमारे सामने एक योजना ही नहीं अपितु बहुत सी योजनाए है

श्री हुकम च.व कछबाय अध्यक्ष महोदय, मने साफ प्रश्न किया है और मैं आप से बिनती करता हू कि मंत्री महोदय से मेरे प्रश्न का उत्तर दिलवाया जाय।

अध्यक्ष महोदय मंत्री महोदय कह चुके हैं अथ माननीय सदस्य द्वारा इस तरह प्रश्न करने से तो काम नहीं बनेगा।

श्री हुकम च.व कछबाय मेरे प्रश्न का उत्तर दिलवाइये।

श्री हुकम च.व कछबाय उत्तर का उत्तर नहीं है। वह तो माननीय सदस्य ने एक सुभाव बिया है। मंत्री महोदय केवल यह बतलाये कि वह जो उतना पैसा रूपा है, 25 रोड़, उस में से कितने लोगो को रोजगार दिलाने के लिए खर्च किया है ?

श्री हुकम च.व कछबाय अध्यक्ष महोदय हमारी रूपा न करके उन की रूपा करते है।

अध्यक्ष महोदय माननीय सदस्य बंडे में तमी तो रूपा हीगी, बंडे बंडे रूपा कैसे होगी।

मंत्री महोदय बनावे कि कडा रूपा है वह पैसा और उस का रूपा करना है।

श्री आरक्षीविद्युत वर्मा श्रीमन्, माननीय सदस्य ने 70 करीब रूपा की बात की है। 50 करीब रूपा रूपा बजट में रूपा रूपा के रूपा रूपा के वास्ते रूपा रूपा था और वह रूपा रूपा है। कोशिश यह है कि हर रूपा रूपा में 1000 आरक्षीविद्युत को रूपा रूपा रूपा है। ऐसे बेरोजगार व्यक्ति जिन को कि काम नहीं मिलता है ऐसे 1000 आरक्षीविद्युत को रूपा रूपा दिया जाए। यह रूपा रूपा साल रूपा रूपा।

श्री पी. वं. डो : उस में से खर्चा कितना किया गया है ?

श्री व. व. व. : माननीय सदस्य पूरा कच्चे बैठा करे ।

SHRI SAMAR GUHA: Has the attention of the government been drawn to a report, which has been admitted by the Chief Minister of West Bengal, to the effect that when they advertised for a low grade post, the number of applications was 2,50,000 when the posts were only 17,000? Does it not highlight the acute unemployment among the educated youngmen? If so, what steps are being taken by the government in this regard? Are they thinking of giving unemployment allowance to educated unemployed?

SHRI R. K. KHADILKAR: So far as the schemes for educated unemployed are concerned, the question really is posed in a different way. They want some provision of a dole. I do not know whether the educated unemployed want the dole. So far as the West Bengal scheme is concerned, I have not come across such a scheme. If it is specifically brought to our notice, we will consider it.

SHRI SAMAR GUHA: I have not said anything about it. I said that 2,50,000 persons applied when 17,000 posts were advertised.

SHRI PILOO MODY: Sir, kindly explain the question to the Minister.

MR. SPEAKER: I will have to ask him to keep quiet. Let him not do it every time.

The simple question is about unemployment allowance. But it concerns various schemes, various funds and all that. This is a very important question which we cannot discuss in just one question or some supplementaries. The only suggestion that I can make to you is that we should better have a debate of two or three hours on this subject.

Import substitution for products required by Government

*143. **SHRI S. C. SAMANTA:** Will the Minister of SUPPLY be pleased to state:

(a) whether any economy has been achieved in supplies needed for Government purposes by the substitution of imported goods with indigenous products;

(b) if so, the percentage still required to be imported and the amount of foreign exchange needed for the purpose annually; and

(c) the further efforts being made in the direction?

THE MINISTER OF SUPPLY (SHRI D. R. CHAVAN): (a) Yes, Sir. A statement indicating the percentage of imported stores in relation to the total purchases over the Plan periods is laid on the table of the House.

(b) It is not possible to indicate any such percentage as imports will depend upon actual requirements.

(c) Imports are restricted to the inescapable minimum and are allowed only in regard to those items which have been certified as not being indigenously available.